

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-I
(भारतीय भूगोल) से संबंधित है।

द हिन्दू

06 अक्टूबर, 2021

भारतीय मौसम विभाग वर्षा में कमी अथवा अतिरिक्त वर्षा की भविष्यवाणी करने के लिए अपने मॉडल में और सुधार कर सकता है।

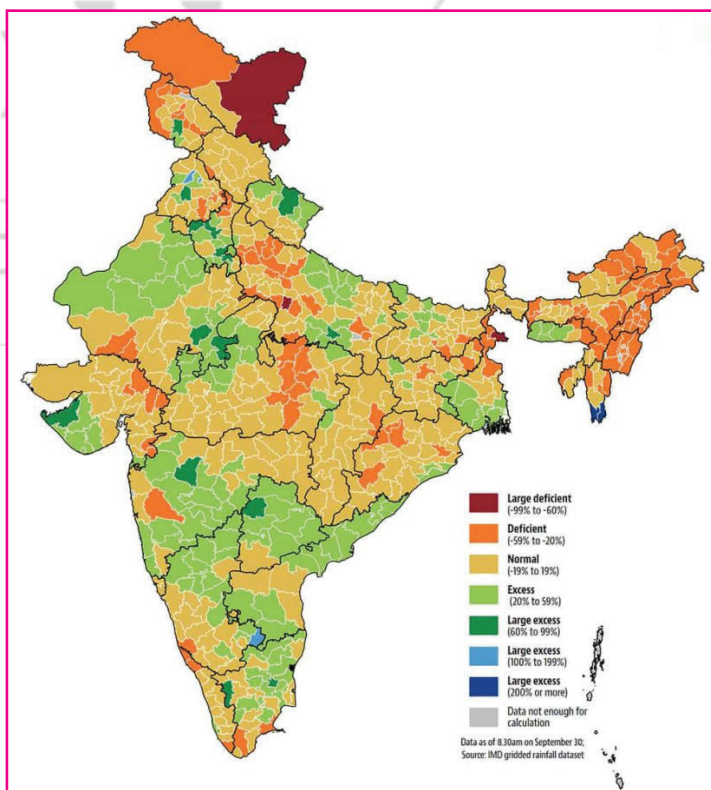
दक्षिण-पश्चिम मानसून आधिकारिक तौर पर भारत में जून और सितंबर के बीच 87.4 सेंटीमीटर बारिश के साथ समाप्त हो गया है, यह मात्रा ऐतिहासिक औसत 88 सेंटीमीटर से सिर्फ 0.7% कम है।

कई मायनों में यह एक असाधारण वर्ष था। अगस्त के अंत तक भारत लगभग 9% की अखिल भारतीय मानसून वर्षा की कमी से ग्रस्त था।

यह मुख्य रूप से अगस्त में मानसून की बारिश के कारण था, जो आमतौर पर दूसरा सबसे अधिक बारिश वाला महीना था, जो 24% कम था। मानसून की शुरुआत में, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने "सकारात्मक पक्ष की ओर रुझान" के साथ "सामान्य" बारिश की भविष्यवाणी की थी और अगस्त की विफलता ने इसे थोड़ा पीछे कर दिया था। यह पूर्वानुमान सितंबर में हुई भारी बारिश के कारण ही सही हुआ। क्योंकि पूर्वानुमान में यह था कि इस वर्ष बारिश सामान्य रहेगी लेकिन अगस्त तक ऐसा नहीं हो पाया था।

हालांकि, सितंबर की मासिक बारिश सामान्य से 35% अधिक रही, जो इतनी शानदार थी कि इसने वर्षा की मात्रा में व्याप्त घाटे को पूरी तरह से भर दिया और सितंबर माह की यह वर्षा आईएमडी की उम्मीदों से काफी आगे थी। आमतौर पर भारत में सितंबर में करीब 17 सेंटीमीटर बारिश होती है, लेकिन इस साल 22.9 सेंटीमीटर बारिश हुई, जो अगस्त से 19 सेंटीमीटर से ज्यादा थी।

मॉनसून 2021 ने दुर्लभ तीन साल की स्वस्थ बारिश की सीमा तय की। 2020 में, भारत को लंबी अवधि के औसत (LPA) का 109% प्राप्त हुआ और 2019 में, LPA का 110% और 1996, 1997 और 1998 के बाद से भारत में लगातार तीन साल सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश हुई है।



अधिकांश वर्षा दक्षिणी भारत पर केंद्रित थी, उत्तर-पूर्व और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई, लेकिन यह दो कारणों से संबंधित नहीं है: मानसूनी बारिश का आधार स्तर भारत के बाकी हिस्सों की तुलना में पूर्वोत्तर क्षेत्रों में अधिक है और इस क्षेत्र में पीछे हटने वाला मानसून भी आता है जो आमतौर पर अक्टूबर के अंत तक शुरू होता है। तीन साल की अच्छी बारिश ने भारत के प्रमुख जलाशयों में भंडारण को बढ़ावा दिया है।

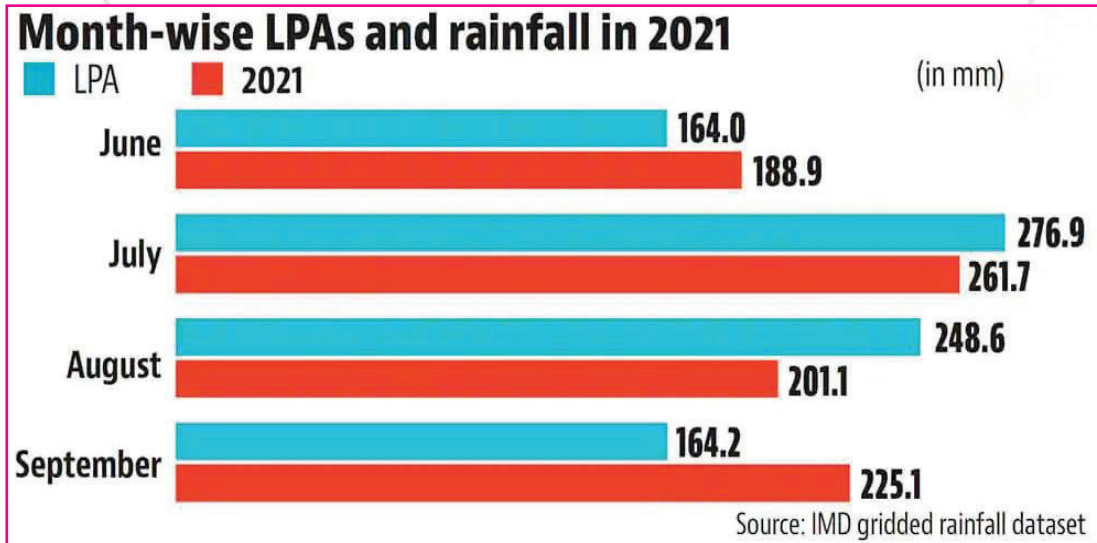
हालांकि, मानसून कृषि के लिए अनिश्चित साबित हुआ। खरीफ फसल की बुवाई के लिए दो प्रमुख महीने, जुलाई और अगस्त थे लेकिन तब मानसून एक प्रकार से विफल रहा और सितंबर की अधिक बारिश का मतलब था कि अत्यधिक नमी के कारण फसल के नुकसान की वास्तविक आशंका है।

सरकार को उम्मीद है कि जून 2022 तक खरीफ फसलों के साथ रिकॉर्ड फसल उत्पादन 150.5 मिलियन टन होने की उम्मीद है, जो पिछले साल काटे गए 149.56 मिलियन टन से थोड़ा अधिक है।

चावल, दलहन और तिलहन के लिए रिकॉर्ड सरप्लस होने की उम्मीद है। हालांकि इससे निर्यात को फायदा हो सकता है, लेकिन इसका मतलब किसानों द्वारा अधिक लाभकारी कीमतों की मांग भी हो सकता है।

यह अतिरिक्त बारिश एक दुर्लभ घटना हो सकती है लेकिन सरकार को इसका फायदा उठाना चाहिए और अगले साल के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करना चाहिए।

आईएमडी को इस बात से संतुष्ट नहीं होना चाहिए कि उसने अपनी समग्र भविष्यवाणी सही कर ली है, लेकिन यह विश्लेषण करना चाहिए कि कमी और अधिक बारिश की भविष्यवाणी के लिए इसके मॉडल को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।



संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

- प्र. निम्नलिखित में से कौन सा कथन वर्ष 2021 के मानसून के संबंध में सत्य है?
- (a) जून और सितंबर के बीच 87.4 सेंटीमीटर बारिश हुई।
- (b) इस वर्ष सितंबर में सबसे अधिक बारिश हुई।
- (c) अगस्त माह में हुई बारिश सामान्य से 24% कम रही।
- (d) उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

- Q. Which of the following statements are true regarding the monsoon of the year 2021?
- (a) 87.4 cm of rain fell between June and September.
- (b) This year the maximum rainfall occurred in September.
- (c) The rainfall in the month of August was 24% less than normal.
- (d) All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

- प्र. "भारतीय मौसम विभाग को वर्षा में कमी अथवा अतिरिक्त वर्षा की भविष्यवाणी करने के लिए अपने मॉडल में और सुधार करने की आवश्यकता है।" टिप्पणी करें। (250 शब्द)
- Q. "The Indian Meteorological Department needs to further improve its model to predict rainfall deficit or excess rainfall." Do Comment. (250 Words)

World

Committed To Excellence

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।